अम्बे तू है जगदम्बे काली: आरती श्री काली जी की

अम्बे, तू है जगदम्बे काली, जय दुर्गे खप्पर वाली ।

तेरे ही गुन गायें भारती, ओ मैयाहम सब उतारेंतेरी आरती ॥

तेरे भक्तजनों पर माता, भीड़ पड़ी है भारी ।

दानव दल पर टूट पड़ो माँ, करके सिंह सवारी ॥

सौ-सौ सिंहों से बलशाली, है दस भुजाओं वाली ॥

दुखियों के दुखड़े निवारती ॥ ओ मैया.

माँ बेटे का है इस जग में, बड़ा ही निर्मल नाता ।

पूत कपूत सुने हैं पर ना, माता सुनी कुमाता ।

सब पर करुणा दरसाने वाली, अमृत बरसाने वाली ।।

दुखियों के दुखड़े निवारती ॥ ओ मैया.

हम तो माँगते धन और दौलत, और चाँदी और सोना ।

हम तो माँगें माँ तेरे मन में, एक छोटा सा कोना ।

सबकी बिगड़ी बनाने वाली, लाज बचाने वाली ।।

सतियों के सत को सँवारती । ओ मैया

सभी आरती के पीडीएफ कहीं भी डाउनलोड

atozpe.in